सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या
जनपद–मुरादाबाद
दिनांक 8, 9 व 10 फरवरी, 2018

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, ए एच0एम0 से दो सदस्यीय भ्रमण टीम डा0 पी0के0 गंगवार, कन्सल्टेंट, एन.सी.डी. एवं श्री दिनेश पाल सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, ई.एम.टी.एस. द्वारा **जनपद मुरादाबाद** की स्वास्थ्य इकाइयों एवं एन.डी.डी. अभियान का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक दिनांक 8, 9 व 10 फरवरी, 2018 को किया गया है। बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

जिला महिला चिकित्सालय, मुरादाबाद–

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली धनराशि का वितरण की स्थिति असंतोषजनक थी। वर्ष 2017–18 के कुल प्रसव 4162 में से मात्र 3223 लाभार्थियों का भुगतान किया गया था, शेष 939 लाभार्थियों का भुगतान अवशेष था। वर्ष 2016–17 के 1419 लाभार्थियों का भी भुगतान अवशेष था। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा अवगत कराया गया कि लाथार्थियों के खाते की उपलब्धता न होने के कारण भुगतान में विलम्ब हो रहा है। पति के साथ ज्वाइंट एकाउन्ट में प्रसूता की सहमति लेकर भुगतान कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- लेबर रूम में प्रोटोकाल पोस्टर मानक अनुसार नहीं थे। निर्धारित 7 ट्रे उपलब्ध थीं।
- लेबर रुम में डिजिटल क्लाक नहीं थी। लगाये जाने का सुझाव दिया गया।
- लेबर रुम में टेबिल पर कैलिस पैड उपलब्ध नहीं थे। टेबिल पर कैलिस पैड डाले जाने का सुझाव दिया गया।
- वार्ड में दैनिक रुप से कलर्ड बेड शीट का प्रयोग नहीं किया जा रहा था जबकि स्टोर में कलर्ड बेडशीट उपलब्ध थीं। उपयोग किये जाने का सुझाव दिया गया।
- वार्ड में महिलाओं की निजता के दृष्टिगत कर्टेन का उपयोग भलीभांति किया जा रहा था।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रसूताओं को भोजन और नाश्ते का वितरण के अभिलेख गाइडलाइन के अनुसार तैयार नहीं किए जा रहे थे। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक की देख–रेख में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम में गाइडलाइन के अनुसार अभिलेख तैयार करने का सुझाव दिया गया।
- 102 एवं 108 एम्बुलेंस सेवा के रजिस्टर अपूर्ण थे। निर्धारत रजिस्टर नियमित रुप से अपडेट कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय की बैठकें आयोजित नहीं की जा रही हैं। बैठकों का आयोजन नियमित किये जाने का सुझाव दिया गया।
- काउंसलर द्वारा अभिलेखों का रखरखाव अव्यवस्थित था। अलमारी की सफाई एवं अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित ढ़ंग से किये जाने का सुझाव काउंसलर को दिया गया।
- सम्पूर्ण क्लीनिक का रखरखाव एवं सफाई आदि अच्छी थी। क्लीनिक में उपस्थित स्टाफ नर्स का कार्य सराहनीय था।

व्यवस्थित सम्पूर्णा क्लीनिक

अभिलेखों का अव्यवस्थित रख–रखाव

जिला पुरूष चिकित्सालय, मुरादाबाद–

- एन.आर.सी. वार्ड का निरीक्षण करने पर पर पाया गया कि तीन ब्लाकों से सबसे कम मरीजों का रेफरल हुआ है इस संबंध में मुख्यचिकित्साधिकारी को फीडबैक देकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को निर्देशित किया गया। यह भी पाया गया कि टीम द्वारा मरीजों को अच्छी तरह मोटिवेट नही किया जा रहा है।
- एन.सी.डी. क्लीनिक में उपस्थिति रजिस्टर अवलोकन हेतु मांगे जाने पर प्रस्तुत नहीं किया गया।
- क्लीनिक को इंगित करने हेतु कोई साइनबोर्ड नहीं था एवं क्लीनिक तीसरी मंजिल पर स्थित था जिससे वरिष्ठ नागरिकों को पहुंचने में कठिनाई हो रही थी। मुख्यचिकित्साधिकारी को फीडबैक देकर क्लनिक को नीचे स्थापित किए जाने का सुझाव दिया गया।
- क्लीनिक में हाईट मीटर खराब था। जिसे मौके पर सही कराया गया।
- टोबैको सेल मे ंकाउन्सलर रीमा यादव उपस्थित थीं। अन्य के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि टीम सचल दल के साथ क्षेत्र में छापामारी हेतु गयी हुई थी। लौटने पर सचल दल के सदस्य डा0 प्रशान्त राजपूत द्वारा अवगत कराया गया जिनमें रु0 2430/– का कलेक्शन किया गया।
- अस्पताल भवन पानी की टंकी/पाइपलाइन से लगातार पानी बह रहा था। अधीक्षिक के संज्ञान में लाया गया एवं अगले दिन इसे ठीक करा दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ठाकुरद्वारा –

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। वर्ष 2017–18 में माह अप्रैल, से अब तक की अवधि में कुल 2226 प्रसव के सापेक्ष 2085 लाभार्थियों का भुगतान किया गया था। वर्ष 2016–17 के 296 लाभार्थियों का भुगतान अवशेष था। प्रसव के उपरान्त लाभार्थी के खाते में धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया। ए.एन.सी. के दौरान गर्भवती महिला की खाता संख्या आशा के माध्यम से अवश्य प्राप्त कर ली जाए जिससे भुगतान करने में अनावश्यक विलम्ब न हो। विगत वित्तीय वर्षों के लाभार्थियों के लम्बित भुगतान का निस्तारण तत्काल कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव हेतु चिकित्सालय में आने वाले मरीजो को निर्धारित समय तक अस्पताल में रोका नहीं जा रहा था। प्रसूताओं को कम से कम 48 घण्टे के उपरान्त ही चिकित्सालय से डिस्चार्ज किये जाने का सुझाव दिया गया।
- लेबर रुम में प्रोटोकाल पोस्टर नहीं लगाये गये थे। लगाये जाने का सुझाव दिया गया।
- लेबर रूम में टेबल व स्टैण्ड में जंग लगा हुआ था यथोचित कार्यवाही कराये जाने का सुझाव दिया गया।

न्यू बार्न केयर कार्नर में गन्दी शीट

लेबर रूम में जंग लगी टेबल व स्टैण्ड

- वार्ड में दैनिक रुप से कलर्ड बेड शीट का प्रयोग किया जा रहा था।
- 102 एवं 108 एम्बुलेंस के अभिलेख चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं थे। अवगत कराया गया कि सेवाप्रदाता जी.वी.के.–ई.एम.आर.आई. कर्मचारियों के पास रजिस्टर हैं। दिनांक 14 जून 2017 के शासनादेश के अनुसार रजिस्टर तैयार कर चिकित्सालय में ही रखे जाने हेतु सुझाव दिया गया।
- आर.एन.टी.सी.पी. लैब डिस्प्ले चार्ट वर्ष 2016–17 का लगा हुआ था जिसे अपडेट कर वर्ष 2017–18 का लगवाया गया।
- एन.बी.सी.यू. में मशीन खराब थी जिसे ठीक कराने का सुझाव दिया गया।
- प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत ओ.पी.डी. संचालित की जा रही थी। डा. शाहिदा परवीन आयुष चिकित्सक के साथ प्राइवेट चिकित्सक डा0 सीमा सिंह सेवाएं दे रही थीं। भ्रमण के समय तक 27 मरीज देखे जा चुके थे।

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा कार्यक्रम,

<u>ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वी.एच.एन.डी.) 1–</u>

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कांठ के ग्राम सराय खजूर में आयोजित हो रहे ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का अनुश्रवण किया गया। सत्र में निम्नलिखित बिन्दु पाये गये–
- ए0एन0एम0 मधुबाला द्वारा सत्र का आयोजन किया जा रहा था।
- सत्र स्थल पर बैनर लगा हुआ था।
- एम.सी.टी.एस. जेनरेटेड प्लान का उपयोग नहीं किया जा रहा था।
- ग्रोथ मानिटरिंग नहीं की जा रही थी।
- सत्र स्थल पर हाई रिस्क प्रेगनेंसी का अलग से रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के बैठक रजिस्टर एवं बैंक पासबुक आदि अवलोकन हेतु मांगे जाने पर उपलब्ध नहीं करायी गयी।

<u>ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वी.एच.एन.डी.) 2–</u>

- उपकेन्द्र कुछावली के ग्राम शाहपुरा में आयोजित हो रहे ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का अनुश्रवण किया गया। सत्र में निम्नलिखित बिन्दु पाये गये–
- ए0एन0एम0 रंजना सागर द्वारा आंगनबाडी कार्यकत्री राजेन्द्री देवी एवं नीतू रानी के साथ सत्र का आयोजन किया जा रहा था।
- सत्र स्थल पर बैनर व अन्य आई.ई.सी. प्रदर्शित की गयी थी।
- एम.सी.टी.एस. जेनरेटेड प्लान का उपयोग नहीं किया जा रहा था।
- आशा कार्यकत्री का गृह भ्रमण सन्तोष जनक था। आशा का भुगतान समय से नहीं किया जा रहा था। टीम के साथ उपस्थित जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक को नियमित भुगतान कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- ग्रोथ मानिटरिंग नहीं की जा रही थी।

- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के बैठक रजिस्टर एवं बैंक पासबुक आदि अवलोकन हेतु मांगे जाने पर उपलब्ध नहीं करायी गयी।

<u>मुख्य चिकित्साधिकारी के कक्ष में दिनांक 09.02.2017 को बैठक का आयोजन किया गया–</u>

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक, जिला क्वालिटी एश्योरेंस प्रबन्धक आदि उपस्थित रहे।

बैठक में जनपद स्तर पर निम्न मदों में कमिटेड धनराशि पर चर्चा की गयी, एवं नियमानुसार व्यय कराये जाने का सुझाव दिया गया –

क्रम सं.	मद का नाम	कमिटेड धनराशि (जनपद स्तर पर)
1	ड्रगवेयर हाउस	60.00 लाख
2	ब्लड बैंक	21.00 लाख
3	एल्डरली	38.00 लाख
4	डी.ई.आई.सी.	41.00 लाख
5	रेडियन्ट वार्मर	3.50 लाख
6	आशा प्रशिक्षण	17.00 लाख
7	अनटाइड– वी.एच.एस.एन.सी.	70.00 लाख
8	आयुष औषधियां	17.50 लाख
9	साइकिल	2.31 लाख
10	प्रोक्योरमेंट (मेडिसिन किट)	2.92 लाख

- जनपद में जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रसवों का भुगतान लम्बित है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा भुगतान के संबंध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गये।
- जनपद में आर0के0एस0 की बैठकें नियमित नहीं हैं एवं रजिस्टर अपूर्ण हैं। बैठकों का नियमित आयोजन कराये जाने एवं रजिस्टर पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये।
- जनपद के चिकित्सालयों में प्रसव हेतु आने वाले महिलाओं को न्यूनतम निर्धारित समय तक नही रोका जा रहा था। उन्हें सामान्यतया प्रसव के दिन ही चिकित्सा इकाई से डिस्चार्ज किया जा रहा था। मुख्य चिकित्साधिकारी के संज्ञान में इस तथ्य को लाया गया एवं कम से कम 48 घण्टे तक प्रसूताओं को रोके जाने के बाद ही डिस्चार्ज कराये का सुझाव दिया गया।
- 102 एवं 108 एम्बुलेंस सेवा हेतु रजिस्टर अपूर्ण थे। नोडल अधिकारी नामित नहीं किए गए थे। शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चत करने का सुझाव दिया गया।

उक्त अन्य सभी बिन्दुओं पर चर्चा की गयी जिसपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सुधारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर टीम द्वारा डी.पी.एम. एवं डी.सी.पी.एम. मुरादाबाद के साथ जनपद के प्राथमिक व जूनियर विद्यालयों एवं आंगनबाडी केन्द्रों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण किया गया है। बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

- ब्लाक मुरादाबाद के अन्तर्गत ग्राम अगबानपुर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। प्राथमिक विद्यालय में कुल नामांकित 280 के सापेक्ष 147 बच्चों की उपस्थिति थी। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा उपलब्ध है, बच्चों को खाना खाने के बाद खिलायी जायेगी।
- ब्लाक मुरादाबाद के अन्तर्गत ग्राम अगबानपुर के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया। केन्द्र में कुल नामांकित बच्चों की संख्या 60 थी किन्तु उपस्थिति 03 थी। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी से मोबाइल पर

वार्ता की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री को समस्त पंजीकृत बच्चों को केन्द्र में बुला कर दवा खिलाये जाने का सुझाव दिया गया।

- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम शाहपुर के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 99 बच्चों में से मात्र 03 बच्चे उपस्थित थे। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी से मोबाइल पर वार्ता की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री को समस्त पंजीकृत बच्चों को केन्द्र में बुला कर दवा खिलाये जाने का सुझाव दिया गया।
- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम शाहपुर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 85 बच्चों में से 45 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा उपलब्ध है, बच्चों को खाना खाने के बाद खिलायी जायेगी।
- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम सरॉय खजूर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 105 बच्चों में से मात्र 50 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा उपलब्ध है, बच्चों को खाना खाने के बाद खिलायी जायेगी।
- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम सरॉय खजूर के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया। पंजीकृत बच्चों की संख्या कम थी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पास रिपोर्टिंग प्रपत्र भी नही था। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी से मोबाइल पर वार्ता की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री को समस्त पंजीकृत बच्चों को केन्द्र में बुला कर दवा खिलाये जाने का सुझाव दिया गया।
- ब्लाक डिलारी के अन्तर्गत ग्राम सिडलऊ नजरपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 64 बच्चों में से मात्र 28 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा बच्चों को खिला दी गयी है।
- ब्लाक डिलारी के अन्तर्गत ग्राम सिडलऊ नजरपुर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 220 बच्चों में से मात्र 98 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा बच्चों को खिला दी गयी है।

एन.डी.डी. अभियान

एन.डी.डी. अभियान

वार्ता की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री को समस्त पंजीकृत बच्चों को केन्द्र में बुला कर दवा खिलाये जाने का सुझाव दिया गया।

- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम शाहपुर के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 99 बच्चों में से मात्र 03 बच्चे उपस्थित थे। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी से मोबाइल पर वार्ता की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री को समस्त पंजीकृत बच्चों को केन्द्र में बुला कर दवा खिलाये जाने का सुझाव दिया गया।
- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम शाहपुर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 85 बच्चों में से 45 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा उपलब्ध है, बच्चों को खाना खाने के बाद खिलायी जायेगी।
- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम सरॉय खजूर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 105 बच्चों में से मात्र 50 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा उपलब्ध है, बच्चों को खाना खाने के बाद खिलायी जायेगी।
- ब्लाक कॉठ के अन्तर्गत ग्राम सरॉय खजूर के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया। पंजीकृत बच्चों की संख्या कम थी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पास रिपोर्टिंग प्रपत्र भी नही था। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी से मोबाइल पर वार्ता की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री को समस्त पंजीकृत बच्चों को केन्द्र में बुला कर दवा खिलाये जाने का सुझाव दिया गया।
- ब्लाक डिलारी के अन्तर्गत ग्राम सिडलऊ नजरपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 64 बच्चों में से मात्र 28 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा बच्चों को खिला दी गयी है।
- ब्लाक डिलारी के अन्तर्गत ग्राम सिडलऊ नजरपुर के प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया गया। कुल पंजीकृत 220 बच्चों में से मात्र 98 बच्चे उपस्थित थे। प्रधानाचार्य से बच्चों को दवा खिलायें जाने के बारे में जानकारी मांगे जाने उन्होंने अवगत कराया कि दवा बच्चों को खिला दी गयी है।

एन.डी.डी. अभियान

एन.डी.डी. अभियान

(Dinesh Palsinh)
P.C.

डॉ0 पी0 के0 गंगवार
कन्सलटेन्ट एन0सी0डी0
एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0